

**करगत वि.** (तत्.) हाथ में रखा हुआ, हस्तगत, प्राप्त।

**करग्रह पुं.** (तत्.) 1. सरकार की कर लगाने की प्रक्रिया 2. हाथ पकड़ना 3. पाणिग्रहण, विवाह।

**करघा पुं.** (फा.) जुलाहों का कपड़ा बुनने का यंत्र। जुलाहों का कारखाना।

**करछुल पुं.** (देश.) कलछी।

**करछुला पुं.** (देश.) भड़भूजों की बड़ी कलछी जिस में हाथ-डेढ़ हाथ का लकड़ी का बेंट लगा रहता है।

**करज पुं.** (तत्.) नाखून, उँगली, करंज, कंजा पुं. (अर.) दे. कर्ज।

**करजदार वि.** (अर.+फा.) ऋणी।

**करण पुं.** (तत्.) 1. व्याकरण में एक कारक जिसके द्वारा कर्ता क्रिया को सिद्ध करता है, करण का चिह्न 'से' लगाया जाता है 2. हथियार 3. इंद्रिय 4. देह 5. क्रिया 6. कारण 7. स्थान 8. कान 9. कौरव पक्ष के एक महारथी कर्ण यौ. करणग्राम-इंद्रिय समूह, करणविभक्ति-करण कारक का चिह्न (सूचक पद)।

**करणीय वि.** (तत्.) करने योग्य, कर्तव्य।

**करतब पुं.** (तद्.) 1. कार्य, काम, करतूत 2. कला, हुनर 3. करामात, जादू।

**करतल पुं.** (तत्.) हथेली।

**करतलध्वनि स्त्री.** (तत्.) ताली।

**करतार पुं.** (तद्.) सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

**करताल पुं.** (तत्.) 1. दोनों हथेलियों के परस्पर आघात का शब्द 2. लकड़ी, काँसे आदि का एक बाजा जिसका एक एक जोड़ा हाथ में लेकर बजाया जाता है, झाँझ, मजीरा।

**करतूत स्त्री.** (देश.) करनी, काम।

**करद वि.** (तत्.) 1. कर देनेवाला, मालगुजारी देने वाला, अधीन 2. सहारा देनेवाला पुं. कटार, छुरी, चाकू

**करदाता पुं.** (तत्.) कर देनेवाला।

**करधनी स्त्री.** (तद्.) सोने या चाँदी का कटि में पहननेवाला एक जेवर, तगड़ी 2. कई लड़ी का सूत जो कमर में पहना जाता है मुहा. करधन टूटना- साहस छूटना, धन का बल न रहना, दरिद्र होना।

**करनफूल पुं.** (तद्.) स्त्रियों के कान में पहनने का सोने या चाँदी का गहना।

**करना स.क्रि.** (तद्.) 1. किसी काम को चलाना, निबटाना, अमल में लाना यौ. करनाधरना 2. पका कर तैयार करना जैसे-रोटी कराना 3. ले जाना, पहुँचाना, जैसे- उसे बाप के यहाँ कर आ। मुहा. करगुजरना- विलक्षण कार्य कर डालना पुं. (तद्.) सुदर्शन जाति का लंबा और बिना काँटों वाला एक पौधा या उसका सफेद फूल।

**करनाटक पुं.** (तद्.) कर्णाटक प्रदेश।

**करनाल पुं.** (तत्.+देश) 1. नरसिंहा, भौपू, धूतू 2. एक बड़ा ढोल जो गाड़ी पर लाद कर चलता है 3. हरियाणा का एक नगर।

**करनैल पुं.** (अं.) कर्नल, सेना का एक उच्च अधिकारी। colonel

**करपत्र पुं.** (तत्.) आरा।

**करपल्लव पुं.** (तत्.) हाथ की उँगली, कोमल हाथ।

**करपात्र पुं.** (तत्.) वस्तुग्रहण के लिए गहरी की हुई दोनों हाथों की संयुक्त हथेली।

**करपात्री वि.** (तत्.) अन्न जल आदि ग्रहण करने के लिए अंजलि ही जिसका बरतन हो, विरक्त साधु।

**करफ्यू पुं.** (अं.) 1. घंटा बजना जो निश्चित समय पर रोशनी, आग आदि बुझाने के लिए होता था, साइरन बजाकर भी इसकी सूचना दी जाती है 2. किसी विषम परिस्थिति में घर से बाहर न निकलने या शासन द्वारा जारी किया आदेश। curfew

**करबला पुं.** (अर.) कर्बला 1. अरब का वह उजाड़ मैदान जहाँ हुसैन मारे गए थे 2. वह स्थान